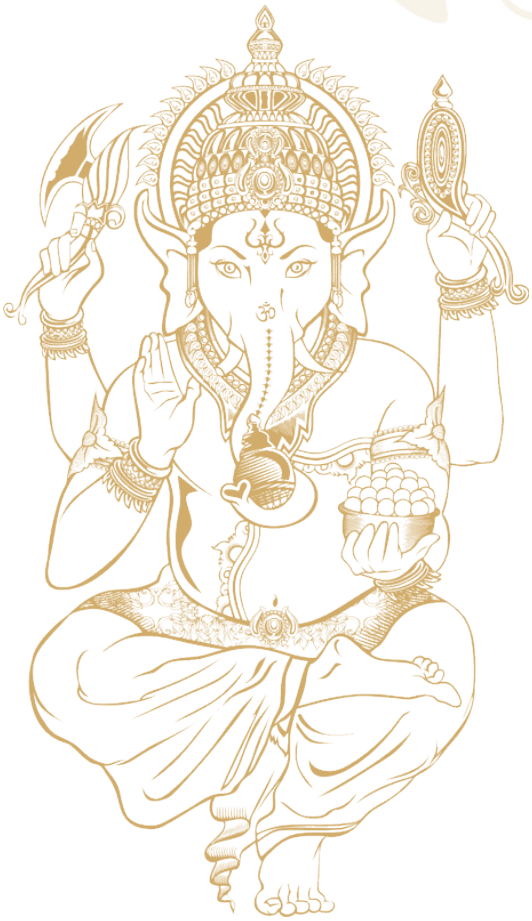

# Mr. Manish agrawal

02 Mar 1980

07:00 PM

Delhi

**Model: Web-LalKitabRatna**

**Order No: 120618901**

# लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **02/03/1980** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **19:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 30:36:13 घटी |
| **स्थान** | **Delhi** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 18:38:52 घंटे |
| वेलान्तर | -00:12:11 घंटे |
| साम्पातिक काल | 05:20:50 घंटे |
| सूर्योदय | 06:45:30 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:21:27 घंटे |
| दिनमान | 11:35:56 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 18:33:06 कुम्भ |
| लग्न के अंश | 27:47:53 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **सिंह - सूर्य** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पू०फाल्गुनी - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| योग | धृति |
| करण | कौलव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | मूषक |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | वनचर |
| वर्ग | श्वान |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | टू-टूंगर |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मीन |

# पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

| कैलेंडर | वर्ष | मास | तिथि/प्रविष्टे |
|---|---|---|---|
| राष्ट्रीय | शक : 1901 | फाल्गुन | 12 |
| पंजाबी | संवत : 2036 | फाल्गुन | 19 |
| बंगाली | सन् : 1386 | फाल्गुन | 18 |
| तमिल | संवत : 2036 | मासी | 19 |
| केरल | कोल्लम : 1155 | कुंभम | 19 |
| नेपाली | संवत : 2036 | फाल्गुन | 19 |
| चैत्रादि | संवत : 2036 | चैत्र | कृष्ण 1 |
| कार्तिकादि | संवत : 2036 | फाल्गुन | कृष्ण 1 |

**पंचांग**

सूर्योदय कालीन तिथि ____: 1
तिथि समाप्ति काल _____: 29:05:40
जन्म तिथि _____: 1
सूर्योदय कालीन नक्षत्र ____: पू०फाल्गुनी
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 20:20:57 घंटे
जन्म योग _____: पू०फाल्गुनी
सूर्योदय कालीन योग ____: धृति
योग समाप्ति काल _____: 22:57:17 घंटे
जन्म योग _____: धृति
सूर्योदय कालीन करण ____: बालव
करण समाप्ति काल _____: 15:47:01 घंटे
जन्म करण _____: कौलव
भयात _____: 64:10:20
भभोग _____: 67:32:44
भोग्य दशा काल _____: शुक्र 0 वर्ष 11 मा 29 दि

**घात चक्र**

मास _____: ज्येष्ठ
तिथि _____: 3-8-13
दिन _____: शनिवार
नक्षत्र _____: मूल
योग _____: धृति
करण _____: बव
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: मेष
लग्न _____: मीन
सूर्य _____: धनु
चन्द्र _____: मकर
मंगल _____: मकर
बुध _____: तुला
गुरु _____: कुम्भ
शुक्र _____: मीन
शनि _____: वृश्चिक
राहु _____: मेष

# जन्म कुण्डली

## लग्न कुंडली

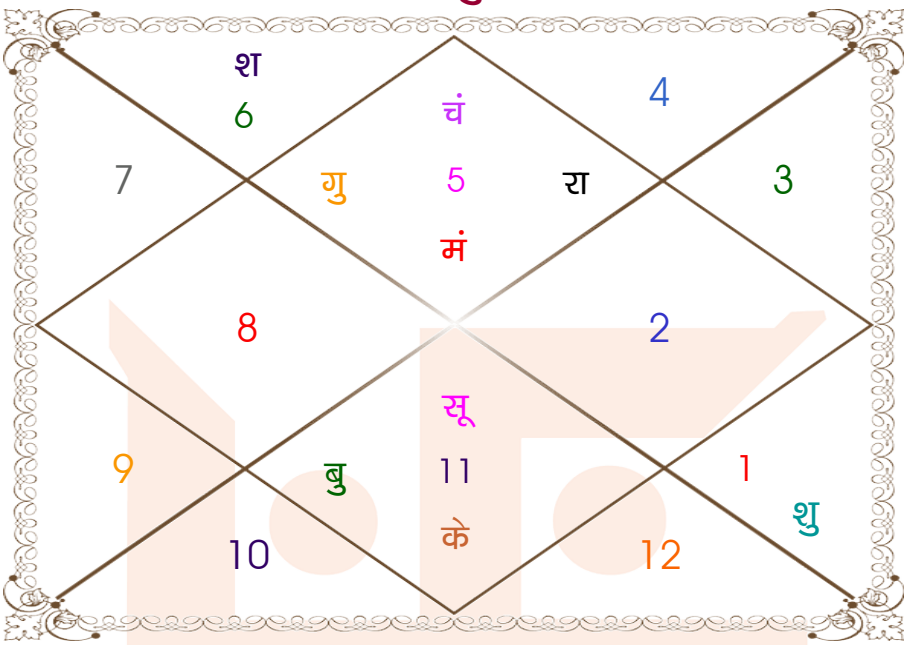


## चन्द्र कुंडली

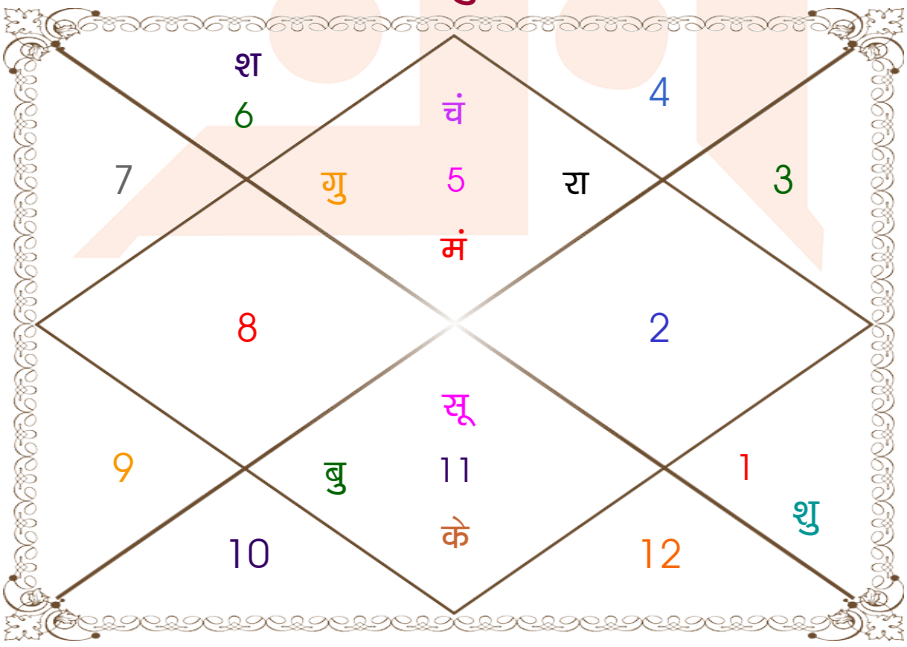

# लग्न कुण्डली और दशा

## लग्न कुंडली

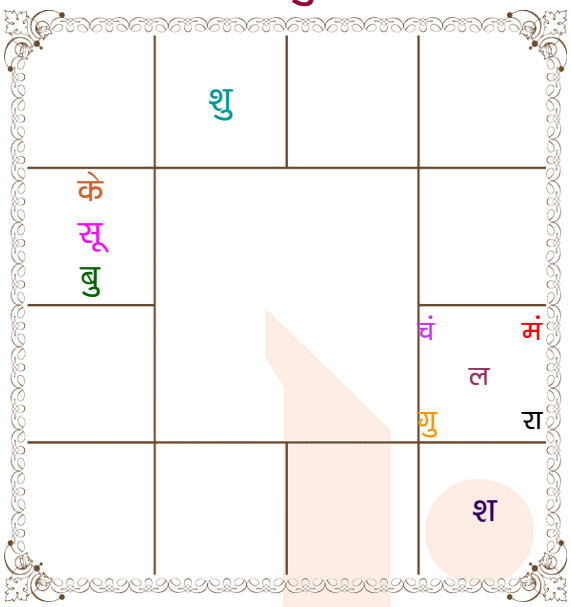


## लग्न कुंडली

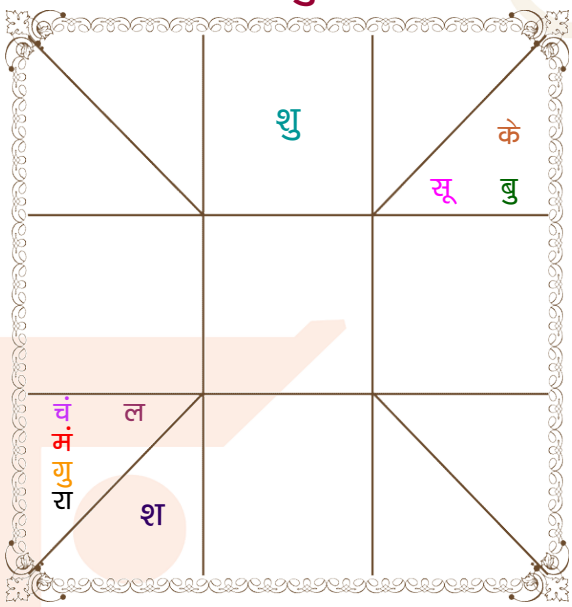


### विंशोत्तरी
### शुक्र 0वर्ष 11मा 29दि

**शुक्र**

**02/03/1980**

**01/03/2081**

| | |
|---|---|
| शुक्र | 01/03/1981 |
| सूर्य | 02/03/1987 |
| चन्द्र | 01/03/1997 |
| मंगल | 01/03/2004 |
| राहु | 02/03/2022 |
| गुरु | 02/03/2038 |
| शनि | 01/03/2057 |
| बुध | 02/03/2074 |
| केतु | 01/03/2081 |

### योगिनी
### उल्का 0वर्ष 3मा 17दि

**संकटा**

**20/06/2023**

**20/06/2031**

| | |
|---|---|
| संकटा | 31/03/2025 |
| मंगला | 20/06/2025 |
| पिंगला | 29/11/2025 |
| धान्या | 31/07/2026 |
| भ्रामरी | 20/06/2027 |
| भद्रिका | 30/07/2028 |
| उल्का | 29/11/2029 |
| सिद्धा | 20/06/2031 |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | | राशि | अंश | स्थिति | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | सिंह | 27:47:53 | --- | -- | -- | -- | नेक |
| सूर्य | | कुम्भ | 18:33:06 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| चन्द्र | | सिंह | 26:00:07 | मित्र राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| मंगल | व | सिंह | 09:42:57 | मित्र राशि | -- | -- | -- | नेक |
| बुध | व | कुम्भ | 25:37:10 | सम राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| गुरु | व | सिंह | 10:49:15 | मित्र राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| शुक्र | | मेष | 01:37:39 | सम राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| शनि | व | कन्या | 00:58:21 | मित्र राशि | -- | हाँ | -- | नेक |
| राहु | व | सिंह | 05:44:35 | शत्रु राशि | -- | -- | हाँ | मन्दा |
| केतु | व | कुम्भ | 05:44:35 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |

## भाव स्थिति

| खाना नं. | मालिक | पक्का घर | किस्मत जगानेवाला | सोया | उच्च | नीच |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मंगल | सूर्य | मंगल | -- | सूर्य | शनि |
| 2 | शुक्र | गुरु | चंद्र | -- | चंद्र | -- |
| 3 | बुध | मंगल | बुध | हाँ | राहु | केतु |
| 4 | चंद्र | चंद्र | चंद्र | हाँ | गुरु | मंगल |
| 5 | सूर्य | गुरु | सूर्य | हाँ | -- | -- |
| 6 | बुध | बुध,केतु | केतु | -- | बुध,राहु | शुक्र,केतु |
| 7 | शुक्र | शुक्र,बुध | शुक्र | -- | शनि | सूर्य |
| 8 | मंगल | मंगल,शनि | चंद्र | हाँ | -- | चंद्र |
| 9 | गुरु | गुरु | शनि | -- | केतु | राहु |
| 10 | शनि | शनि | शनि | हाँ | मंगल | गुरु |
| 11 | शनि | शनि | गुरु | हाँ | -- | -- |
| 12 | गुरु | गुरु,राहु | राहु | हाँ | शुक्र,केतु | बुध,राहु |

## लग्न कुंडली

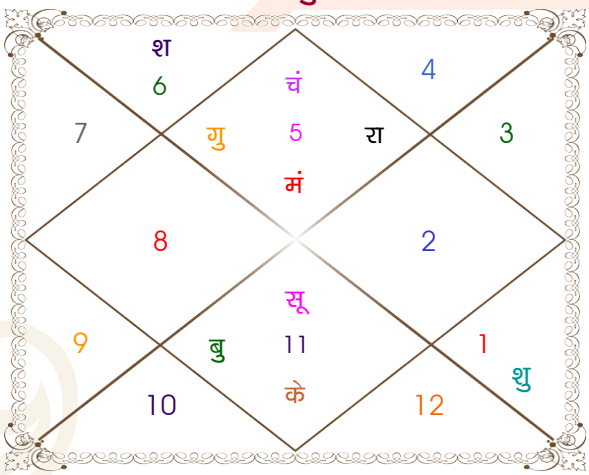


## लालकिताब कुंडली

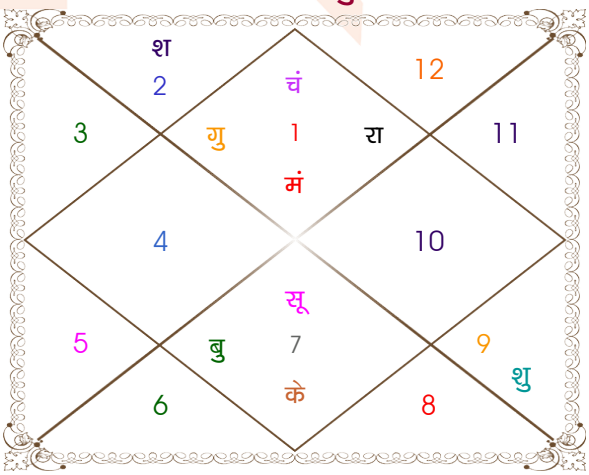

## मैत्रीचक्र सारिणी

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | --- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | सम | सम | सम | शत्रु |
| चंद्र | मित्र | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| मंगल | मित्र | मित्र | --- | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| बुध | मित्र | सम | शत्रु | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | सम | --- | सम | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| शुक्र | सम | सम | शत्रु | मित्र | शत्रु | --- | मित्र | सम | मित्र |
| शनि | सम | सम | सम | मित्र | शत्रु | मित्र | --- | मित्र | शत्रु |
| राहु | सम | शत्रु | सम | मित्र | शत्रु | सम | मित्र | --- | मित्र |
| केतु | शत्रु | सम | सम | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | --- |

## ग्रह/राशि फल

| ग्रह | वर्णन | फल |
|---|---|---|
| सूर्य | कम कबीला। | राशि |
| चंद्र | माता के जीवित होने तक दौलत, खालिस दूध | -- |
| मंगल | मैदान जंग और इंसाफ की तलवार | ग्रह |
| बुध | दुनिया के लिए पारस। | -- |
| गुरु | राजगुरु या गद्दीनशीं साधु। | -- |
| शुक्र | मिट्टी की काली आंधी। | -- |
| शनि | गुरु शरण। | -- |
| राहु | सीढ़ी पर चढ़ने वाला हाथी, धन का प्रतीक। | राशि |
| केतु | शेर का मुकाबला करने वाला कुत्ता। | -- |

### चन्द्र कुंडली

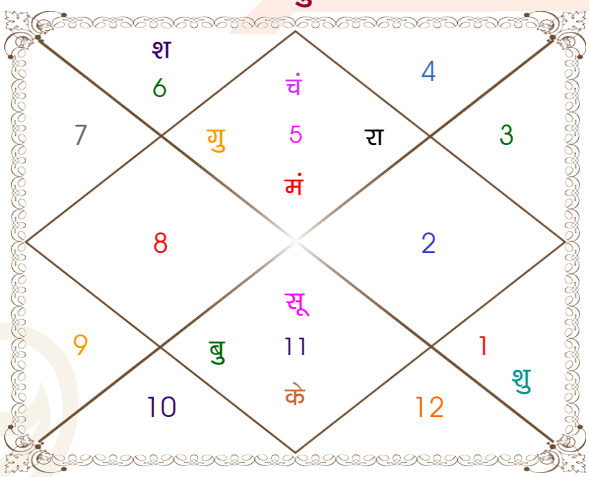


### लालकिताब चन्द्र

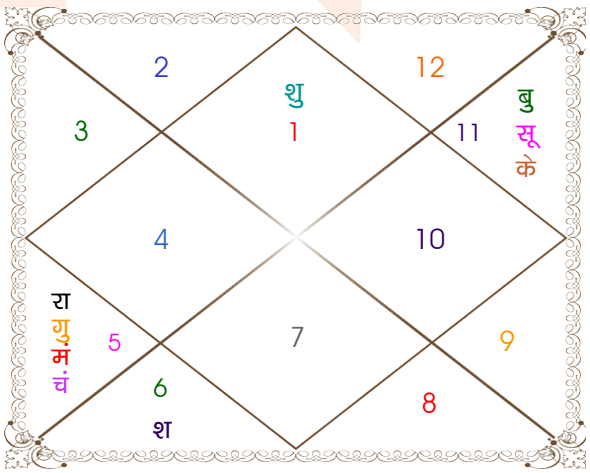

# लालकिताब दशा

| शनि 6 वर्ष | | राहु 6 वर्ष | | केतु 3 वर्ष | | गुरु 6 वर्ष | | सूर्य 2 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 02/03/1980 | | 03/03/1986 | | 02/03/1992 | | 03/03/1995 | | 03/03/2001 | |
| 03/03/1986 | | 02/03/1992 | | 03/03/1995 | | 03/03/2001 | | 03/03/2003 | |
| राहु | 03/03/1982 | मंगल | 02/03/1988 | शनि | 03/03/1993 | केतु | 03/03/1997 | सूर्य | 01/11/2001 |
| बुध | 02/03/1984 | केतु | 03/03/1990 | राहु | 03/03/1994 | गुरु | 03/03/1999 | चंद्र | 03/07/2002 |
| शनि | 03/03/1986 | राहु | 02/03/1992 | केतु | 03/03/1995 | सूर्य | 03/03/2001 | मंगल | 03/03/2003 |

| चंद्र 1 वर्ष | | शुक्र 3 वर्ष | | मंगल 6 वर्ष | | बुध 2 वर्ष | | शनि 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2003 | | 02/03/2004 | | 03/03/2007 | | 03/03/2013 | | 03/03/2015 | |
| 02/03/2004 | | 03/03/2007 | | 03/03/2013 | | 03/03/2015 | | 03/03/2021 | |
| गुरु | 03/07/2003 | मंगल | 03/03/2005 | मंगल | 03/03/2009 | चंद्र | 01/11/2013 | राहु | 03/03/2017 |
| सूर्य | 02/11/2003 | शुक्र | 03/03/2006 | शनि | 03/03/2011 | मंगल | 03/07/2014 | बुध | 03/03/2019 |
| चंद्र | 02/03/2004 | बुध | 03/03/2007 | शुक्र | 03/03/2013 | गुरु | 03/03/2015 | शनि | 03/03/2021 |

| राहु 6 वर्ष | | केतु 3 वर्ष | | गुरु 6 वर्ष | | सूर्य 2 वर्ष | | चंद्र 1 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2021 | | 03/03/2027 | | 03/03/2030 | | 02/03/2036 | | 03/03/2038 | |
| 03/03/2027 | | 03/03/2030 | | 02/03/2036 | | 03/03/2038 | | 03/03/2039 | |
| मंगल | 03/03/2023 | शनि | 02/03/2028 | केतु | 02/03/2032 | सूर्य | 01/11/2036 | गुरु | 03/07/2038 |
| केतु | 03/03/2025 | राहु | 03/03/2029 | गुरु | 03/03/2034 | चंद्र | 02/07/2037 | सूर्य | 01/11/2038 |
| राहु | 03/03/2027 | केतु | 03/03/2030 | सूर्य | 02/03/2036 | मंगल | 03/03/2038 | चंद्र | 03/03/2039 |

| शुक्र 3 वर्ष | | मंगल 6 वर्ष | | बुध 2 वर्ष | | शनि 6 वर्ष | | राहु 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2039 | | 03/03/2042 | | 02/03/2048 | | 03/03/2050 | | 02/03/2056 | |
| 03/03/2042 | | 02/03/2048 | | 03/03/2050 | | 02/03/2056 | | 03/03/2062 | |
| मंगल | 02/03/2040 | मंगल | 02/03/2044 | चंद्र | 01/11/2048 | राहु | 02/03/2052 | मंगल | 03/03/2058 |
| शुक्र | 03/03/2041 | शनि | 03/03/2046 | मंगल | 02/07/2049 | बुध | 03/03/2054 | केतु | 02/03/2060 |
| बुध | 03/03/2042 | शुक्र | 02/03/2048 | गुरु | 03/03/2050 | शनि | 02/03/2056 | राहु | 03/03/2062 |

| केतु 3 वर्ष | | गुरु 6 वर्ष | | सूर्य 2 वर्ष | | चंद्र 1 वर्ष | | शुक्र 3 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2062 | | 03/03/2065 | | 03/03/2071 | | 03/03/2073 | | 03/03/2074 | |
| 03/03/2065 | | 03/03/2071 | | 03/03/2073 | | 03/03/2074 | | 03/03/2077 | |
| शनि | 03/03/2063 | केतु | 03/03/2067 | सूर्य | 02/11/2071 | गुरु | 02/07/2073 | मंगल | 03/03/2075 |
| राहु | 02/03/2064 | गुरु | 03/03/2069 | चंद्र | 02/07/2072 | सूर्य | 01/11/2073 | शुक्र | 02/03/2076 |
| केतु | 03/03/2065 | सूर्य | 03/03/2071 | मंगल | 03/03/2073 | चंद्र | 03/03/2074 | बुध | 03/03/2077 |

| मंगल 6 वर्ष | | बुध 2 वर्ष | | बुध 2 वर्ष | | बुध 2 वर्ष | | बुध 2 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/03/2077 | | 03/03/2083 | | 03/03/2083 | | 03/03/2083 | | 03/03/2083 | |
| 03/03/2083 | | 03/03/2085 | | 03/03/2085 | | 03/03/2085 | | 03/03/2085 | |
| मंगल | 03/03/2079 | चंद्र | 02/11/2083 | चंद्र | 02/11/2083 | चंद्र | 02/11/2083 | चंद्र | 02/11/2083 |
| शनि | 03/03/2081 | मंगल | 02/07/2084 | मंगल | 02/07/2084 | मंगल | 02/07/2084 | मंगल | 02/07/2084 |
| शुक्र | 03/03/2083 | गुरु | 03/03/2085 | गुरु | 03/03/2085 | गुरु | 03/03/2085 | गुरु | 03/03/2085 |

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

# टेवे की श्रेणी

## रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

## धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

### निष्कर्ष

आपकी पत्री धर्मी टेवा नहीं है।

## नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

# लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

## स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

## मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

## पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

## कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षांत में घाटा हो जाना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

## पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

## निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

## स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

## निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

## निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से मुक्त है।

## आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

## ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

## निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

# लाल किताब ग्रह फल

## सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप सरकारी पद पर हैं तो आपका मिजाज गर्म होगा। जो आपको लाभ देगा। आपके पारिवारिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। आपके जन्म से पहले मां-बाप की आर्थिक स्थिति खराब परंतु जन्म के बाद ठीक हुई होगी। पराई ममता या दूसरी स्त्री साथ देगी। शरीर पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपका परिवार ठीक रहेगा। आपकी औलाद के पास धन रहेगा। आपके हौसले बुलंद रहेंगे। आप आला किस्म के मर्द होंगे। आपको बिना यत्न बुजुर्गों का धन मिलेगा। आपके ससुराल वालों से संबंध अच्छे रहेंगे। आप धन की खूब बचत करेंगे। विवाह के बाद किस्मत चमकेगी, आपका पत्नी के अतिरिक्त और भी औरतों से संबंध हो सकते हैं या दो विवाह भी हो सकते है। आपकी लड़की अच्छे घर में ब्याही जाएगी। भागीदारी के कामों से लाभ मिलेगा। आपकी ज्योतिष, कर्मकांड में रुचि रहेगी। अंत समय में आप अपने घर पर ही मौजूद रहेंगे।

यदि आपने भागीदार से झगड़ा किया, धन के लिए ससुराल वालों को तंग किया, झूठ-झूठ में विश्वास रखा, सरकार का टैक्स चुराया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से ससुराल के खानदान का समय बिगड़ जाएगा। पत्नी अस्वस्थ्य हो सकती है। 25 वर्ष तक स्त्री का सुख मंदा रहेगा। यदि आप नौकरी या व्यापार करते हैं स्वभाव गर्म होगा तो हानि होगी। सरकारी विभाग में नौकरी हैं तो गर्म स्वभाव रखना आपकी आदत होगी। कभी-कभी नर संतान से परेशानी रहेगी या आपके परिवार में लड़का नंगा या पागल हो सकता है। । यदि आप चोरी-ठगी करेंगे तो आर्थिक स्थिति खराब होती जायेगी। ज्यादा गुस्सा करना, खुदगर्जी, खुशामदी बर्बादी की निशानी हो सकती है। आपके पैर में कुछ तकलीफ होगी। पत्नी से झगड़ा, जुदाई या तलाक हो, ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. नौकरी करते हैं या दुकानदार हैं तो गर्म मिजाज न रहें।
2. सरकारी विभाग में नौकर हैं तो गर्म मिजाज रखें।

उपाय :

1. घर से काम पर जाते समय चीनी खाकर पानी पीकर जायें।
2. रात को रोटी पकाने के बाद गैस-चूल्हा या चूल्हे की आग दूध के छींटे देकर बुझावें। वह गैस चूल्हा या चूल्हा/सूर्योदय से पहले न जलावें।

## चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से आपका जन्म आपके माता-पिता की तपस्या के बाद हुआ होगा या भगवान की मिन्नतें-मन्नतें मांग कर या

आपके जन्म से पहले कई बहनों का जन्म हुआ होगा। आप सबको वशीभूत कर लेते हैं। आप शांत स्वभाव के सुंदर और सफेद कपड़े पहनने के शौकीन हैं। आप विभिन्न भाषाओं के विद्वान होंगे। आपको पैतृक मकान का सुख मिलेगा। आपको जीवन भर संपत्ति की कमी महसूस नहीं होगी। 28 वर्ष की उम्र में विवाह हो तो जीवन भर सुख मिलेगा। पराई अमानत पास रह जायेगी जिससे अमीर हो जाऐंगे। जब तक माता जीवित रहेंगी धन-दौलत का अभाव नहीं रहेगा। लंबी उम्र के मालिक होंगे। राजदरबार में सम्मान मिलेगा। आपके जन्म के बाद पिता की माली-हालत अच्छी होगी। लम्बी आयु, कारोबार तथा धन लाभ के लिए शुभ होगा। बुढ़ापा उत्तम रहेगा। 24 या 27 साल की उम्र में अगर सफर करें तो सफर से वापस घर आकर मां का आशीर्वाद लेने से माता की आयु बढ़ेगी। 24 वर्ष आयु से पहले मकान न बनावें।

यदि आपने 24 वर्ष आयु से पहले मकान बनाया होगा, 28 वर्ष आयु में विवाह किया हो, आपने नौकरानी से झगड़ा या गाय को कष्ट दिया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से पानी में डूबने का भय, मानसिक रोग, पुत्र सुख का अभाव, अति चिन्ता रहना, शारीरिक कमजोरी, आंख की पुतली खराब होना, घर में बाग-बगीचा हो तो उजड़ा सा रहेगा, आपको दिल की बिमारियां हो सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा न करें।

उपाय :

1. चांदी के गिलास में दूध-पानी आदि पियें।
2. बट के वृक्ष को कभी-कभी पानी डालें।

## मंगल

आपकी जन्मकुंडली में पहले खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से आप अंदर-बाहर एक जैसे, संतान सुख से युक्त, और प्रसन्न रहेंगे। आप विद्वान, शूरवीर, एवं साहसी है। आप बुरे के साथ भी नेकी करेंगे। आप नेकी छोड़ने से कलंकी बन जाएंगे। आप परिवार के भाग्य को जगाने वाले हैं। आप साधू-सन्यासी की सेवा करेंगे। 18 वर्ष के बाद सरकारी सेवा में या सलाहकार के कामों में रुचि लेंगे। शत्रु से आप बचते रहेंगे। आप अगर नौकरी करते हैं तो 35-40 वर्ष की आयु तक ही नौकरी करेंगे। राज्य सरकार से लाभ मिलेगा। आप पलट कर आक्रमण करने वाले हैं। आपको छोटे बहन-भाई का सुख मिलेगा। आप 28 साल के बाद जीवन में उन्नति करेंगे। आप किसी की सच्चाई या नेकी को सदा याद रखेंगे। आपके उच्च पदाधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे। लोहा, लकड़ी तथा मकान के कामों में लाभ पाएंगे। परिवार के लोगों के साथ मिल कर काम करें तो बहुत अच्छा रहेगा। आपके मुंह से

निकली बुरी बात का दूसरों पर बुरा असर होगा। आपका आर्शीवाद लोगों को फलेगा।

यदि आपने मुफ्त माल या दान लिया, जूठन खाया और झूठ बोला, माता को कष्ट दिया या माता का विरोध किया, अपशब्द बोलने की आदत हो तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से शारीरिक कष्ट की आशंका है। मुफ्त की चीजें नहीं फलेंगी। आलस्य से कई बार आप अपने बने-बनाये काम बिगाड़ सकते हैं। मानसिक रोग या तनाव हो सकता है। दुर्घटना का भय है, अतः वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। आपकी माता को आप्रेशन का भय है। भाई को परेशानी या आपको बहन के सुख का अभाव रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. मुफ्त का माल या दान न लेवें।
2. हाथी दांत घर में न रखें।

उपाय :
1. बड़ा भाई जीवित हो तो लाल रुमाल रखें।
2. भाई और साले की सेवा करें।

## बुध

आपकी कुंडली में बुध सातवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुलीन होंगे। आप व्यवहार कुशल होंगे। आप प्रिंटिंग प्रेस, डाक्टर/कैमिस्ट का काम, रेडीमेड माल के व्यापार से धन कमाएंगे। नौकरी-व्यापार के लिए तो बुरा असर नहीं होगा। आप अपने काम धन्धे में 34 वर्ष की उम्र तक सफल हो सकेंगे। आपकी विदेश की यात्रा होगी। आप किसी भी प्रकार का काम करें, वह काम प्रारंभ होकर, बिखर जाएगा। आपका ससुराल पक्ष धनी और मजबूत होगा। आपकी तलवार में इतनी ताकत नहीं जितनी आपकी कलम में शक्ति है। कोर्ट-मुकद्दमे में आपकी जीत होगी। आप दूसरों के लिए भी माफिक रहेंगे। आप अपने दोस्तों या परिचित लोगों के सहायक होंगे। आपको दस्तकारी के काम, तकनीक कार्य और लकड़ी के काम में उत्तम फल मिलेगा। आपका जीवन सुलझा हुआ होगा। विज्ञापन या स्वयंवर द्वारा विवाह का योग होता है। आपकी पत्नी उच्च परिवार से होगी।

यदि आपने साहुकारा किया, भाई-साले के साथ साझेदारी की, पत्नी से झगड़ा किया, परस्त्री से चाल-चलन खराब किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आपकी साली से घरेलू संबंध बनेंगे जो कि आपकी बर्बादी का कारण बनेगा। आपके विवाह में गड़बड़ी होगी। अगर विवाह में देरी हो तो 34 वर्ष की आयु तक निश्चित विवाह हो जाएगा। स्त्री से दूरी या तलाक तक की नौबत आ सकती है। आपके भाई-बंधु आपका विरोध करेंगे। झगड़ा-फसाद या मुकद्दमेबाजी या उलझन ज्यादा प्रभावी नहीं होगी। आपमें बुद्धि की कमी रहेगी। आपमें परिपक्वता देर से आयेगी। आप अपने

परिवार को तोड़ सकते हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. बिना सींग की गाय या बकरी न पालें।
2. हरी घास घर में न लगावें।

उपाय :
1. हीरा पहनें/हीरे के अभाव में पन्ना भी पहन सकते हैं।
2. चीनी खा कर पानी पीकर कार्य शुरु करें।

## गुरु

आपकी कुंडली में वृहस्पति पहले खाने में पड़ा है। जिसकी वजह से आप एक पढ़े-लिखे या उपदेशक या गुरु भी हो सकते हैं। आप विद्वान, अच्छी बुद्धि के संतानयुक्त, शासन द्वारा सम्मान पाने वाले बड़प्पन से युक्त होंगे। विद्या के माध्यम से अपनी आजीविका चलाऐंगे। पैतृक धन से भी धनी होंगे। यदि आपकी शिक्षा कम भी हो तो फिर भी धन आपको प्राप्त होता रहेगा। आप पैसे की वजह से नहीं, करामाती गुण से सम्मान पाएंगे। आप ऊंचे लोगों के साथ रह कर अपनी दिमागी शक्ति और राजदरबार से संबंधित रह कर, सम्मान प्राप्त करेंगे। शादी के बाद आपकी अर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और भाग्योदय होगा। आप अपनी कमाई से नया मकान बनवाएंगे। आपको बहुत जायदाद का लाभ होगा। आप स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उम्र बढ़ने के साथ-साथ सुख में भी वृद्धि होगी। आपकी पत्नी आपकी आज्ञाकारिणी और सेविका रहेगी।

यदि आपने विद्या अधूरी छोड़ दी, लोगों की व्यर्थ निंदा की, मुफ्त माल, दान आदि से जीवन व्यतीत करना शुरु किया, छोटी आयु में शराब-बीयर पीना शुरु कर दिया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से अप्रत्याशित घटनाओं एवं अव्यवस्था से सतर्क रहें। विद्या में रुकावट हो सकती है, आपके पिता की मौत दमा या दिल की बीमारी या मानसिक रोग से हो ऐसी आशंका है। आपको श्वास या दमे की बीमारी होगी। प्रथम पुत्र संतान की प्राप्ति से अशुभ फल प्राप्त होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. मुफ्त गिफ्ट या दान न लेवें।
2. किस्मत पर भरोसा रखें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. बुजुर्गों का आशीर्वाद लेवें।
3. शिक्षा बी.ए. या समकक्ष अवश्य पढ़ें।

## शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौंवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह हैं। आपको मन में शक्ति मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। स्त्री, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदी सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगे। आप नशे की बुरी लत के कारण बीमारियों से तंग रहेंगे। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपकी स्त्री के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. 25वें वर्ष में विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :
1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पत्नी को चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करके बायें हाथ में पहनायें।

## शनि

आपकी जन्मकुंडली में शनि दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पैतृक संपत्ति और ससुराल से लाभ रहेगा। आप मान-प्रतिष्ठा से युक्त होंगे। आप ईश्वर भक्त और पूजा-पाठ करने वाले होंगे। आप आजन्म मुखिया बने रहेंगे। कमाई और खर्चा बराबर हो जाएगा। आप अपनी पहली कन्या का लालन-पालन ससुराल पक्ष को सौप दें तो आपके लिए फायदेमंद होगा। आपको जीवन में जीने की इच्छा प्रबल रहेगी। आप बाहर से देखने में प्रभावशाली नहीं लगेंगे परंतु अपनी शक्ति और अक्ल में बहुत बलवान होंगे। कभी-कभी आप

इस दुनिया से सन्यास लेने को भी उत्सुक हो सकते हैं। आपको माता का पूर्ण सुख मिलेगा। पिता के सुख में न्यूनता आ सकती है। आप में अक्ल की बारीकी और आध्यात्मिक शक्ति होगी। कोयला, चमड़ा, मकान-मशीनरी के कामों से अधिक लाभ होगा।

यदि आपने मादक चीजों-द्रव्यों का सेवन किया, सांप को मारा या सांप के जहर बेचने या प्रयोग करने से संबंधित कार्य किये या कानी भैंस पाली तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप विचारों के कच्चे, मुर्दादिल और पस्त हौसले वाले होंगे। 28वें 39वें वर्ष की आयु रोग और बीमारी में बीत सकती है। आपकी किसी के साथ दुश्मनी भी हो सकती है। आपका जुआं आदि खेलना आपके ससुराल के लिए बुरा हो सकता है। आपके विवाह के समय ससुराल में अग्निकांड हो सकता है। विद्या अधूरी रहे, ऐसी आशंका है। सगाई के दिन से ससुराल को हानि होना शुरु हो जायेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. माथे पर तिलक की जगह सरसों तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

उपाय :
1. नंगे पैर धर्म स्थान में जावें।
2. सांप को दूध पिलावें।

## राहु

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप धनवान तथा श्रेष्ठ शासनाधिकारी होंगे। अगर सरकारी अधिकारी हुए तो राजदरबार में आपका बहुत सम्मान होगा। आपके ननिहाल वाले आपके जन्म के बाद अमीर होंगे। आपका जन्म ननिहाल या अस्पताल में हुआ होगा या जन्म के समय आकाश पर बादल छाये हुए होंगे, ऐसी आशंका है। 42 वर्ष की उम्र तक समय मध्यम है जो कुछ भी बुरा हुआ होगा, इसके बाद बहुत अच्छा और शुभ रहेगा। आपका जन्म जिस घर में होगा उस घर के सामने घर में उजाड़ हो जाएगा। आपकी रोजी-रोटी के लिए दूसरा काम भी चालू रहेगा। यदि एक काम या नौकरी छूटेगी तो दूसरी नौकरी या व्यवसाय चालू हो जाएगा। आप धनी होंगे। आपको संतान सुख अच्छी या बुरी अवश्य मिलेगी। आपके लिए हर समय बोलते रहना अच्छी बात नहीं है। आपमें बेईमानी और धोखेबाजी की आदत भी विद्यमान रहेगी। जीवन में कई परिवर्तन आएंगे। माता और मन की शांति के लिए शुभ रहेगा।

यदि आपने विवाह के बाद ससुराल से लोहा, बिजली का समान, काले-नीले कपड़े मुफ्त या दान में लिये, मकान के आंगन में धुआं किया, बिल्ली की जेर, चमड़े के पर्स में रखी तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके बनते कामों में रुकावट, तरक्की कम मगर बदला-बदली अधिक बार होगी।

11-21-42 वर्ष आयु में पिता के लिए समय अशुभ, परिवार में किसी को दमा-मिरगी का रोग हो सकता है। आप शरारती, आवारा और नास्तिक स्वभाव के होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. आंगन में धुआं न करें।
2. पेट मोटा न हो, विशेष ध्यान रखें।

उपाय :
1. धर्म स्थान में गुड़-गेहूं दान देवें।
2. दूध से स्नान करें।

## केतु

आपकी जन्मकुंडली के सातवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप 24 वर्ष की उम्र से ही धन कमाने में जुट जाएंगे। जैसे-जैसे आपकी संतान की उम्र बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे धन में बढ़ोत्तरी होती जाएगी। आजीविका का साधन बना रहेगा। रोजगार द्वारा अच्छी कमाई होगी। आपकी संतान बलशाली होगी। आप अपनी बात के पक्के होंगे। आप सब तरह से सुखी और संपन्न रहेंगे फिर भी पश्चात्ताप करते ही रहेंगे। आपकी संतान शेर का मुकाबला करने वाली होगी। आपकी पत्नी के जितनी संख्या में भाई-बहन होंगे उतनी ही संख्या में आपकी संतान होंगी। 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। परंतु इसके बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। धनधान्य में बरकत होगी। 24 साल की उम्र में इतना धन आएगा जो कि आने वाले 40 वर्षों तक के लिए काफी होगा। आपके दुश्मन आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ेंगे। दुश्मन अपने आप तबाह हो जाएंगे। जीवन में कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

यदि आपने हर समय लिखने का काम किया, झूठा वायदा किया, परस्त्री गमन किया। अपनी पत्नी से झगड़ा किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 7 वर्ष तक ननिहाल की हालत खराब, 34 वर्ष बाद सुख नष्ट होना शुरु हो जाएगा। झूठ बोलना, झूठा वायदा करना आपको अवनति देगा। शरीर में दर्द या बीमारी होगी। आपकी संतान पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। आपका मन स्त्री और पुत्र के संबंध में अशांत रहेगा। आप अपनी जुबान से गंदी बातें बोलेंगे। आप अभिमान के कारण बर्बाद हो जाएंगे। किसी को दिया गया आश्वासन पूरा न करना आपके लिए हानिकारक होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

2. कलम से लिखने का अधिक काम न करें।

उपाय :

1. 4 केले 4 दिन जल में प्रवाह करें।
2. 4 नीबू 4 दिन जल में प्रवाह करें।

# लाल किताब - वर्ष कुँडली

## 2025

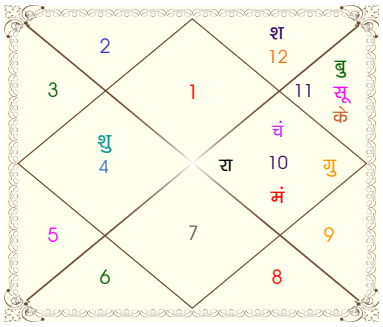


## 2026

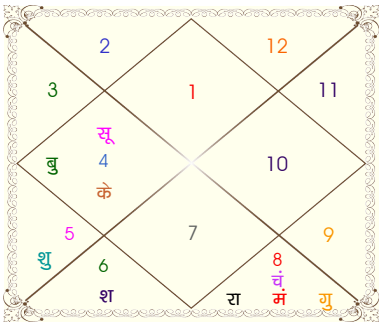


## 2027

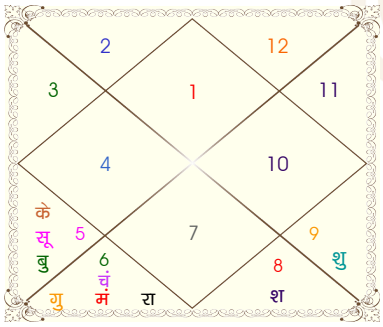


## 2028

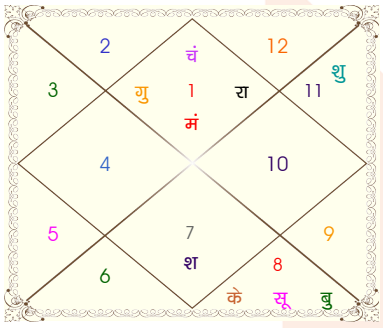


## 2029

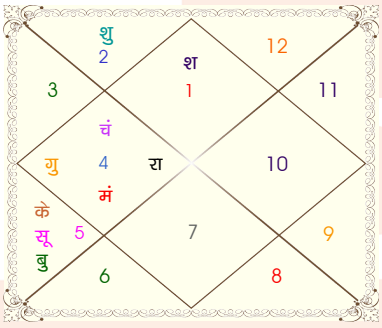


## 2030

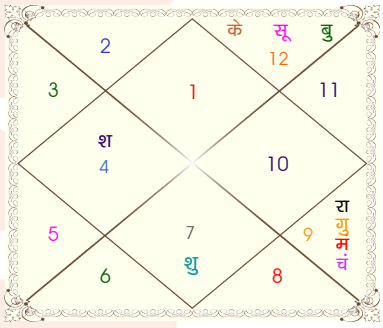


## 2031

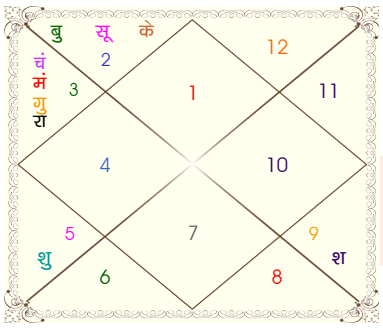


## 2032

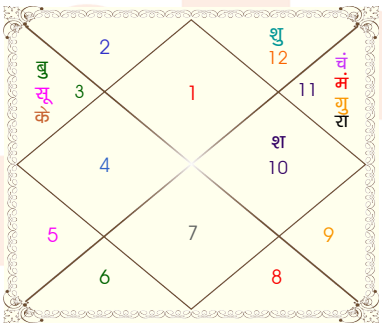


## 2033

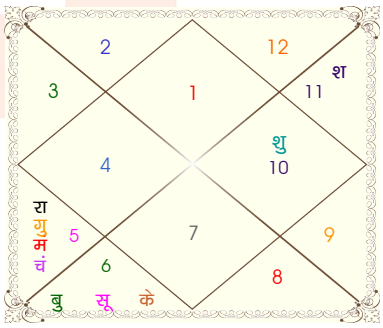


## 2034

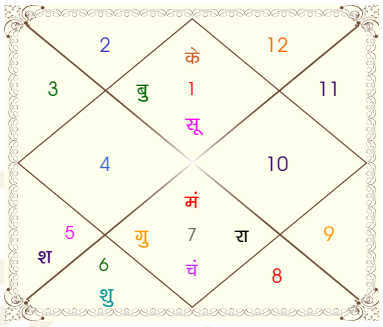


## 2035

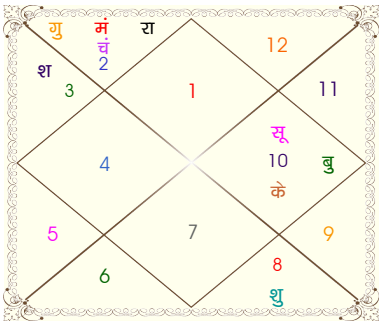


## 2036

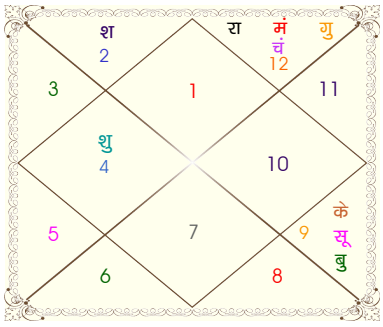

# लाल किताब वर्षफल 2025-2026

## वर्त्तमान आयु - 46
## वर्त्तमान दशा – राहु

| ग्रह | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | -- | -- | -- | मन्दा |
| चंद्र | हाँ | -- | -- | मन्दा |
| मंगल | हाँ | -- | -- | नेक |
| बुध | -- | -- | -- | मन्दा |
| गुरु | हाँ | -- | -- | मन्दा |
| शुक्र | -- | -- | -- | नेक |
| शनि | -- | -- | -- | नेक |
| राहु | हाँ | -- | हाँ | मन्दा |
| केतु | -- | -- | -- | मन्दा |

### भाव स्थिति

| खाना | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सोया | हाँ | हाँ | हाँ | -- | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | हाँ | -- | -- | -- |

### वर्ष कुंडली 2025 – 2026

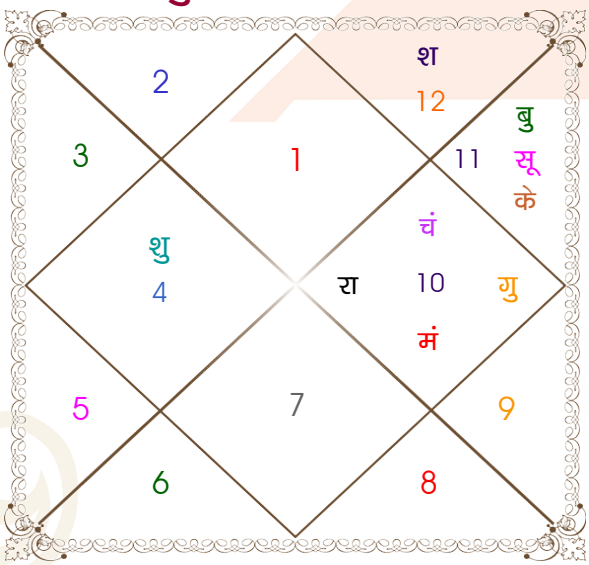


### वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 – 2026

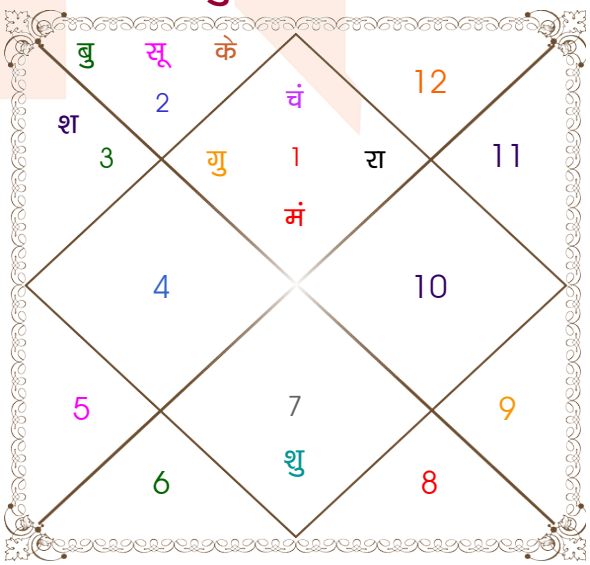

## सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकते हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान सुख की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठी गवाही देना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठा भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब आदि न पिये मादक चीजों का सेवन न करें।

## चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय या वैसे ही रात के समय लिक्वड दवाई का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोरों-जुआरियों, शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी स्त्री या प्रेमिका द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें अर्थात पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

## मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।

2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बुरे कामों से दूर रहना चाहिये, साधू-फकीर से धागा-ताबीज, जल-भभूति आदि से आपकी लंका में आग लगेगी अर्थात् आपका सुख और सुख के साधन नष्ट हो सकते हैं। बहन-बेटी का गृहस्थ जीवन कुछ कष्टमयी व्यतीत होगा, मांस खाना संतान के लिये हानिकारक या कष्टकारी रहेगा। अपशब्द न बोलें और गर्म मिजाज न रखें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कण्ठी वाला तोता पालें।
2. तांबे के पैसे में या तांबे के चौरस टुकड़े में सुराख करके सफेद धागे में पिरो कर गले में पहनें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर) ।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप में काम वासना की अधिकता के लक्षण है। दूसरी स्त्री आप पर मोहित हो सकते हैं। मामा-मौसी से लाभ मिलेगा, उत्तम भवन-वाहन का सुख मिलेगा, उत्तम भोजन-शयन का शौक रहेगा। आप अपने परिवार या शहर/गांव/देश में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे, यात्रा अधिक होगी और यात्रा से लाभ होगा।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें, अनैतिक संबंध न रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज ठीक रखें।

## शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष धन व्यय अधिक होगा और वह भी परिवार के शुभ कामों पर, सरकारी विभाग और मुकददमें में जीत होगी। आपको रात्रि का पूरा आराम मिलेगा। साधना या अध्यात्म में आपकी रूचि रहेगी तो वह आपको हानिकारक हो सकती है। शराब पीना, मांस-मछली खाना आपके लिये हानिकारक है।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :
1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. दूसरों के माल पर नजर न रखें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मौके के ऑफिसर से झगड़ा नहीं करना चाहिए। परिवार वालों से नेक संबंध बनाये रखने में आपका भला है। परिवार से अलग रहना हानि देगा। पिता-ससुर को कष्ट की आशंका है। कारोबार में परेशानी का योग है आप अपनी संपत्ति बेच सकते हैं। बिना कारण जुर्माना/दंड का भय रहेगा।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. सिर पर सफेद या शरबती टोपी पहनें-पगड़ी बांधे या स्कार्फ बांधें।
2. अंधे व्यक्तियों को स्वादिष्ट भोजन खिलायें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो कार्य पर न जायें या कुछ समय के लिए रुक कर जएायें। माता/सास का विरोध करना आपके लिये शुभ नहीं। संतान से झगड़ा न करें बल्कि उसकी सेवा करने से भाग्योदय होगा। व्यतीत समय के किस्से-कहानियाँ लोगों को सुना कर समय न गुजारें।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. काला कुत्ता पालें या काले कुत्ते की सेवा करें।

2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

### वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

# लाल किताब वर्षफल 2026-2027

**वर्त्तमान आयु - 47**
**वर्त्तमान दशा – राहु**

| ग्रह | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| चंद्र | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| मंगल | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| बुध | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| गुरु | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| शुक्र | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| शनि | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| राहु | -- | हाँ | हाँ | मन्दा |
| केतु | -- | हाँ | हाँ | मन्दा |

**भाव स्थिति**

| खाना | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सोया | हाँ | -- | हाँ | -- | -- | -- | हाँ | -- | -- | -- | हाँ | -- |

**वर्ष कुंडली 2026 – 2027**

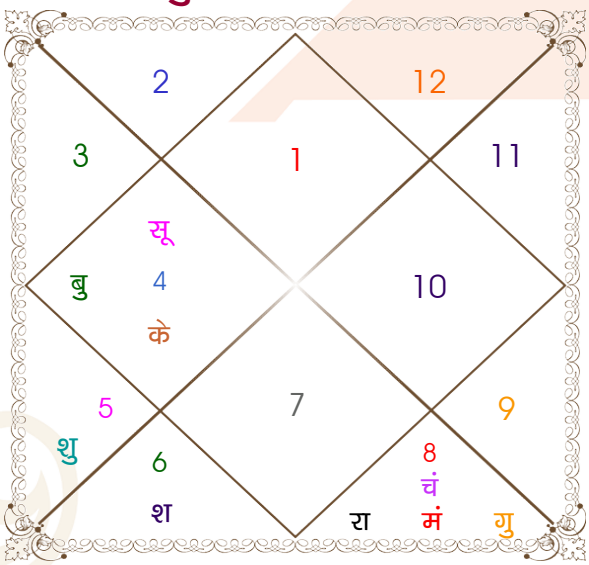


**वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 – 2027**

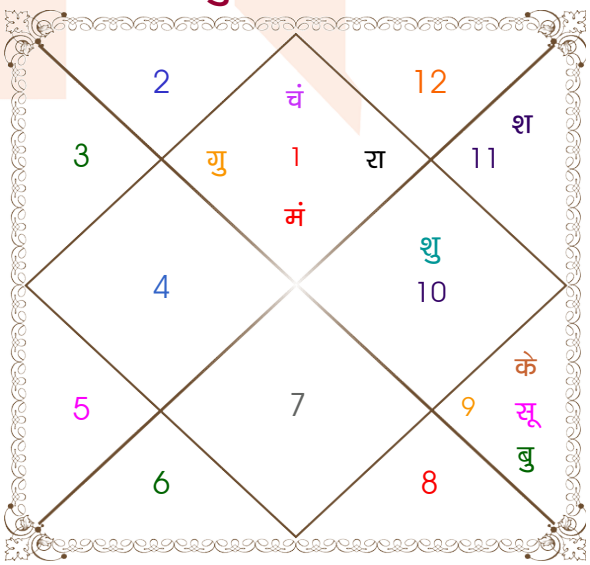

## सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में है तो जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता और सुख की हानि होगी, माता से दूर रहे तो विद्या से लाभ होगा। मन अशांत रह सकता है और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोग आपके काम बिगाड़ सकते हैं सतर्क रहें। पैतृक कार्य बदलने का विचार रहेगा। माता से झगड़ा रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. अन्धे व्यक्ति को भोजन खिलाएं।
2. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।

## चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता-पिता का सुख कम मिलेगा। जौहरी-जुएं के कामों में हानि होगी। ननिहाल को कष्ट या उनसे झगड़ा होगा। मन की शक्ति क्षीण, विद्या में रुकावट या माता का सुख मिले, घर से दूर भी रहना पड़ सकता है। सर्दी-जुकाम और पानी से कष्ट का भय, हृदय रोग का भय रहेगा। बुजुर्गों को सांस-दमा रोग की आशंका है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गंदम धर्म स्थान में देवें।
2. अमावस्या के दिन दूध-चावल धर्म स्थान में देवें।
3. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें।

## मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री से झगड़ा नहीं करना चाहिये। वैवाहिक समस्याएं या परिवार में कोई स्त्री विधवा हो सकती है। छोटे भाई अगर हों तो उस के लिये समय ठीक नहीं। आपकी जुबान से निकला अपशब्द लड़ाई-झगड़े का कारण होगा। आपको गुस्सा करना नुकसानदेह है, समय धैर्य से निकालें।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. विधवा स्त्री को उपहार देकर चरण स्पर्श कर आर्शीवाद लेवें।

2. तन्दूर में मीठी रोटियां लगवा कर कुत्तों को खिलायें।

## बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष माता से दूरी या माता की आयु कम हो सकती है। हृदय रोग की संभावना, खराब चाल-चलन और अनैतिक सम्बन्ध आपके लिये परेशानी पैदा कर सकते हैं। विदेश यात्रा में हानि या विदेश संबंधी कारोबार में परेशानी भी हो सकती है। बेटी-बहन, बुआ-साली के धन का उपयोग करना आपकी तरक्की में रुकावट बनेगा।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. तांबे के पैसे में सूराख करके सफेद धागे में पिरोकर गले में पहनें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।
3. 101 ढाक के पत्ते दूध से धोकर जल प्रवाह करें।

## गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अफवाहों का शिकार हो सकते हैं, पेशाब का रोग होने की संभावना है। आपको इस समय आलस्य त्याग कर भाग-दौड़ से अपने कामों को करना चाहिए और कोई ऐसा काम न करें जो आगे आने वाले समय में आपके लिए मुसीबत का कारण बने। आपका मन उदासी भरा भी रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. दही, आलू, देशी घी धर्म स्थान में देवें।

## शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपका मिजाज आशिकाना और आप परस्त्री पर कामुक हो सकते हैं। इस वर्ष यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का योग बनेगा। अंर्तजातीय या माता-पिता की इच्छा के विरूद्ध विवाह न करें वरना संतान सुख खराब हो सकता है। स्त्री के गर्भपात का भय रहेगा। बुआ-बेटी, बहन-साली के धन का आपके हाथों नुकसान हो सकता है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. गुप्तांग दूध या दही से साफ करें।

2. गायों को चारा खिलाये।

## शनि

आपकी वर्ष कुडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें इससे आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

## राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष अंगहीन, निःसंतान, काने, गंजे व्यक्ति से दूर रहें। जन्म दिन के बाद आठवें मास से उलझनें बढ़ सकती हैं। किस्मत का असर झूले की तरह ऊपर-नीचे होता रहेगा, बिजली विभाग, जंगल विभाग, पुलिस विभाग से संबंधित कामों में परेशानी या धन और समय नाश हो सकता है। बंधन और कैद में न रहेंगे।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :
1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के (औफदप) के टुकड़े जल प्रवाह करें।
3. जिस दिन इस वर्ष का 8वां मास शुरू हो उस दिन 43-43 बादाम मंदिर में ले जाकर वहां रखें, उसमें से 43 बादाम उठा कर घर पर लाकर सफेद थैली में रख लें।

## केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष रीड़ की हड्डी या जोड़ों का दर्द, शुगर/पेशाब का रोग हो सकता है। माता की चिंता हो सकती है या माता को कष्ट हो सकता है। हृदय रोग के प्रति आलस्य न बरतें। पुत्र संतान के सुख की चिंता रहेगी। कुल पुरोहित से संबंध ठीक रखे तो पुत्र चिंता दूर होगी। कुत्ते के काटने का भय रहेगा। यात्रा में रूकावट आयेगी या यात्रा में हानि हो सकती है।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. चने की दाल और केसर धर्म स्थान में देवें।
2. कुल पुरोहित को धन वस्त्र आदि देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। अगर कुल पुरोहित न हो तो 4 किलो चने की दाल महीने दो महीने में धर्म स्थान में देवें।

### वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 8 दिन नाश्ते में पनीर खावे या पनीर का बचा शेष पानी पिये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)

# लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।